अध्याय

17

रजनी

© JCERT not to be republished

मन्नू भंडारी

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

1 जीवन परिचय—

जन्म — 3 अप्रैल सन् 1931 ई मृत्यु —15 नवंबर सन् 2021 ई. मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के भानपुरा गाँव

बचपन का नाम महेंद्र कुमारी

शिक्षा — एम .ए

काफी समय तक दिल्ली के मिरांडा हॉउस में अध्यापन कार्य

2 साहित्यिक परिचय—

कहानी-संग्रह एक प्लेट सैलाब, मैं हार गयी, यही सच है, त्रिशंकु, आँखों देखा झूठ, अकेली

उपन्यास:- आपका बंटी, एक इंच मुस्कान, महाभोज

आत्मकथा:- एक कहानी यह भी

नाटक:- बिना दीवारों के घर

फिल्म-पटकथा:- रजनीगंधा, निर्मला, स्वामी, दर्पण, रजनी

3 पुरस्कार—

हिंदी अकादमी, दिल्ली का शिखर सम्मान

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी सम्मान

व्यास सम्मान (एक कहानी यह भी सन् 2008 ई)

उत्तर प्रदेश हिंदी साहित्य पुरस्कार

4. लेखन का संसार उन्हें विरासत में मिला। उनके पिता सुख सम्पतराय भी एक जाने -माने लेखक थे।

5. मन्नू भंडारी नई कहानी आन्दोलन की सशक्त लेखिका हैं ।उन्होंने कहानी और उपन्यास दोनों विधाओं में लेखन किया।

6. उनकी रचनाओं का मुख्य विषय आम आदमी की पीड़ा, अकेलापन, घुटन, उब, संत्रास आदि है।

7. मन्नू भंडारी की भाषा सहज, सरल एवं भावाभिव्यक्ति में सक्षम है। उनकी रचनाओं में बोल - चाल की हिंदी भाषा के साथ - साथ लोकप्रचलित उर्दू, अंग्रेज़ी, देशज शब्दों की बहुलता देखी जा सकती है।

पाठ—परिचय

1. ‘ रजनी ‘ शीर्षक पाठ मन्नू भंडारी के द्वारा रचित एक पटकथा है।

2. जिस प्रकार मंच पर खेलने के लिए नाटक लिखे जाते हैं उसी प्रकार पट या स्क्रीन के लिए लिखी गई कथा पटकथा कहलाती है।

3. रजनी शीर्षक पाठ उसी प्रकार की एक पटकथा है जो बीसवीं सदी के नवें दशक में टीवी पर एक बहुचर्चित धारावाहिक बासु चटर्जी के निर्देशन में निर्मित रजनी का अंश है।

4. प्रस्तुत पाठ व्यवसाय बनती शिक्षा की समस्या की ओर हमारा ध्यान खींचता

© JCERT not to be republished

है।

5. यह पटकथा सात दृश्यों में विभक्त है, जिसे अलग-अलग स्थानों पर फिल्माया गया है।

6. इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि कैसे हम अपने साथ हो रहे अन्याय को इस डर से सहते रहते हैंकि अगर हम आवाज़ उठाएँगें तो हमें और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

7. प्रस्तुत पाठ के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया गया है कि अन्याय करने वाला जितना गुनाहगार होता है उतना ही गुनहगार अन्याय सहने वाला भी होता है

8. पटकथा की शुरुआत लीला के घर से होती है, जो रजनी की पड़ोसन है। रजनी लीला से बाज़ार साथ चले को कहती है, लेकिन लीला उसे यह कहकर रोक लेती है कि उसके बेटे का रिजल्ट आने वाला है। रजनी यह सुनकर बहुत खुश होती है क्योंकि उसे पूरा विश्वास है कि परीक्षा में अमित के अच्छे अंक आएँगे। लेकिन जब अमित घर आता है तो सबको पता चला कि अमित को गणित में सिर्फ 72 अंक मिले थे। अमित ने अध्यापक के बार-बार कहने पर भी ट्यूशन नहीं ली जिसके कारण उसे कम अंक मिले थे। रजनी ने इस बात की शिकायत स्कूल के हैडमास्टर से की, लेकिन उन्होंने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया और इसमें स्कूल की कोई जिम्मेदारी न बताकर इसे अध्यापक और छात्र के बीच का आपसी मामला कहकर टाल दिया। रजनी के पति को यह बात पता चली तो वह रजनी को इस मामले में न पड़ने की सलाह देता है, लेकिन रजनी किसी की नहीं सुनती।

रजनी ने इस बात की शिकायत स्कूल के शिक्षा निदेशक से की। वहाँ भी उसकी बात कोई नहीं सुनता। शिक्षा निदेशक ने रजनी से इस बात की शिकायत स्कूल के हैडमास्टर से करने की सलाह दी। इस प्रकार, वे भी इसके विरूद्ध कोई कारवाई नहीं की। आखिरकार रजनी इस समस्या को लेकर अखबार के संपादक से मिली, जहाँ उसे थोड़ी उम्मीद नज़र आई। अखबारवालों के सहयोग से उसने अभिभावकों की एक मीटिंग का आयोजन किया। वहाँ उसने प्रस्ताव दिया कि अध्यापकों द्वारा जबरदस्ती ट्यूशन लिए जाने से संबंधित सख्त - से - सख्त नियम बनाए जाने चाहिए। ट्यूशन न लिए जाने पर बच्चों के अंक काटने पर अध्यापकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। बोर्ड रजनी के इस प्रस्ताव को मान लेता है। इस प्रकार, रजनी ने जिस उद्देश्य के साथ यह आंदोलन शुरू किया था, उसमें सफल होती है।

9. **इस पाठ में रजनी का चरित्र-** भाव विशेषकर अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाने वाली महिला के रूप में प्रकाशित हुआ है। आम स्त्रियों की तुलना में रजनी

© JCERT not to be republished

का चरित्र बिल्कुल विपरीत है। रजनी एक कर्मठ, साहसी, निष्ठावान, संघर्षशील एवं न्याय - प्रिय स्त्री है। वह एक ऐसी स्त्री है जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सामर्थ्य रखती है। उसमें प्रत्येक सामाजिक व राजनीतिक समस्याओं का सामना करने का साहस मौजूद है। वह भ्रष्ट तंत्र के विरुद्ध सदैव न्याय का शंखनाद करने के लिए तत्पर रहती है।

10. कोड मिक्सिंग और कोड स्विचिंग प्रक्रिया के तहत अंग्रेज़ी के शब्द बहुतायात प्रयुक्त हुए हैं।

अभ्यास पाठ के साथ

प्रश्न 1: रजनी ने अमित के मुद्दे को गंभीरता से लिया, क्योंकि -

क. वह अमित से बहुत स्नेह करती थी।

ख. अमित उसकी मित्र लीला का बेटा था।

ग. वह अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाने की सामर्थ्य रखती थी।

घ. उसे अखबार की सुर्खियों में आने का शौक था।

उत्तर:- (ग) वह अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाने की सामर्थ्य रखती थी।

प्रश्न 2: जब किसी का बच्चा कमज़ोर होता है, तभी उसके माँ-बाप ट्यूशन लगवाते हैं। अगर लगे कि कोई टीचर लूट रहा है, तो उस टीचर से न ले ट्यूशन, किसी और के पास चले जाएँ.. यह कोई मजबूरी तो है नहीं—

प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताएँ कि यह संवाद आपको किस सीमा तक सही या गलत लगता है, तर्क दीजिए।

उत्तर:- जब रजनी अपनी शिकायत लेकर शिक्षा निदेशक के पास जाती है कि कुछ शिक्षक ट्यूशन के नाम पर बच्चों को परेशान कर रहे हैं और ट्यूशन नहीं लेने पर उनके अंक कम कर दिए जा रहे हैं तब उक्त कथन शिक्षा निदेशक के द्वारा कहा जा रहा है कि जब किसी का बच्चा कमज़ोर होता है, तभी उसके माँ - बाप ट्यूशन लगवाते हैं। अगर लगे कि कोई टीचर लूट रहा है, तो उस टीचर से न ले ट्यूशन, किसी और के पास चले जाएँ ... यह कोई मजबूरी तो है नहीं।

यहाँ मेरे विचार से शिक्षा निदेशक का यह संवाद अतार्किक और गलत है। यह उनकी ओछी मानसिकता का उदाहरण है। उन्होंने अध्यापकों के द्वारा ट्यूशन के नाम पर चल रहे धांधलियों को गंभीरता से नहीं लिया। उनके द्वारा कही गई इस तरह की बातें उनकी गलत सोच को प्रदर्शित करता है और बताता है कि कैसे ऊँचे पद में रहने के बाद भी इतनी गंभीर समस्या पर भी ध्यान नहीं

© JCERT not to be republished

देते हैं और आज लोग हताहत व परेशान होते रहते हैं। स्कूलों में बेहतर शिक्षा के नाम पर अभिभावकों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है।

प्रश्न 3 . तो एक और आंदोलन का मसला मिल गया—

फुसफुसाकर कही गई यह बात—

क. किसने किस प्रसंग में कही ?

ख. इससे कहने वाले की किस मानसिकता का पता चलता है।

उत्तर:- क. रजनी ने अपनी सभा में शिक्षक की समस्याओ का भी जिक्र किया, कि उन्हें इतना कम वेतन मिलता है कि ट्यूशन नहीं पढ़ाएँ तो उनका गुज़ारा ही न हो। कई जगह तो ऐसा भी है कि कम तनख्वाह देकर ज्यादा पर दस्तखत करवाए जाते हैं। बेवजह उनके वेतन काट लिए जाते है। वह सभा में बोलती है कि आपलोग इसके खिलाफ आवाज़ उठाये।

इन्हीं बातों से कुढ़कर रजनी का पति रवि फुसफुसाकर कहता है कि तो एक और आंदोलन का मसला मिल गया।

ख. इससे उसकी सामाजिक उदासीनता का परिचय मिलता है।ये वैसे लोग हैं जो सामाजिक समस्याओं से स्वयं को अलग—थलग रखना चाहते हैं। सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। ऐसे लोग दूसरों की समस्या में उलझना नहीं चाहते और अपना समय व्यर्थ नहीं करना चाहते।

प्रश्न 4 .रजनी धारावाहिक की इस कड़ी की मुख्य समस्या क्या है ? क्या होता अगर-

क. अमित का पर्चा सचमुच खराब होता।

ख. संपादक रजनी का साथ न देता।

उत्तर:- रजनी धारावाहिक की इस कड़ी की मुख्य समस्या है-ट्यूशन न लगाने पर अध्यापक द्वारा छात्र को कम अंक प्रदान करना। विद्यार्थी की मेहनत को महत्त्वहीन कर देना।इसकी शिकायत करने से डरना और जब किसी तरह शिकायत हो भी जाए तो वरीय पदाधिकारियों के द्वारा कोई समाधान नहीं करना।

(क) अगर अमित का पर्चा सचमुच खराब होता तो वह इतना दुःखी नहीं होता। उसकी माँ व रजनी भी परेशान नहीं होती। रजनी को भी आंदोलन नहीं करना पड़ता।

(ख) यदि संपादक रजनी का साथ न देता तो यह समस्या सीमित लोगों के बीच रह जाती।

© JCERT not to be republished

कम संख्या का सत्ता पर कोई असर नहीं होता।

पाठ के आस—पास

प्रश्न 1. गलती करने वाला तो है ही गुनहगार, पर उसे बर्दाश्त करने वाला भी कम गुनहगार नहीं होता— इस संवाद के संदर्भ में आप सबसे ज़्यादा किसे और क्यों गुनहगार मानते हैं ?

उत्तर:- मेरे विचार से गलती करने वाला तथा उसे बर्दाश्त करने वाला दोनों ही गुनाहगार की श्रेणी में आता है क्योंकि गलती करने वाला वह अध्यापक जो जबरदस्ती ट्यूशन के लिए बच्चों को विवश करता है और जब बच्चे उनके पास ट्यूशन के लिए नहीं जाते तो उन्हें स्कूल में कम नंबर दिया जाता है। ऐसे अध्यापक दोषी हैं। इसके साथ ही साथ वह अभिभावक भी दोषी है जो इस अन्याय को बर्दाश्त करता है, संयुक्त रूप से दोषी है। उन्हें इस अन्याय के लिए खिलाफ़ आवाज उठानी चाहिए। अन्याय बर्दाश्त करने से दोषियों को और अधिक बढ़ावा मिल जाता है तथा वे निरंतर गलती करते रहते हैं।

प्रश्न 2 .स्त्री के चरित्र की बनी बनाई धारणा से रजनी का चेहरा किन मायनों में अलग है ?

उत्तर:- स्वाभाविक रूप से देखा जाए तो स्त्री का चरित्र कोमल, सहनशील, अबला तथा शांत स्वरूप का माना जाता है जबकि इसके विपरीत रजनी का चरित्र एक कर्मठ, साहसी, शक्तिशाली तथा अन्याय के खिलाफ़ आवाज़ उठाने वाली महिला के रूप में है। आमतौर पर घरेलू स्त्रियाँ अन्याय को चुपचाप सहन करती रहती है लेकिन रजनी अन्याय के विरुद्ध लड़ने का हौसला रखती है । वह आख़िरकार अध्यापकों द्वारा जबरदस्ती ट्यूशन जैसे सामाजिक समस्या को भी सबके सामने लाकर इसका समाधान तलाशने में सफल होती है।

प्रश्न. 3. पाठ के अंत में मीटिंग के स्थान का विवरण कोष्ठक में दिया गया है। यदि इसी दृश्य को फ़िल्माया जाए तो आप कौन - कौन से निर्देश देंगे ?

उत्तर: यदि मीटिंग दृश्य फिल्माया जाए तो हम निम्नलिखित निर्देश देंगे-

- स्टेज के पीछे बैनर लगा हो तथा उस पर एजेंडा लिखा होना चाहिए।
- मीटिंग स्थल पर प्रवेश करने वालों को जोश से आना-जाना होगा।
- स्टेज पर माइक व कुसी होनी चाहिए।
- रजनी को डायलॉग्स पूरे याद होने चाहिए।
- तालियाँ इत्यादि समयानुसार बजें।

प्रश्न. 4. इस पटकथा में दृश्य संख्या का उल्लेख नहीं है। मगर गिनती करें तो सात दृश्य हैं। आप किस आधार पर इन दृश्यों को अलग करेंगे ?

© JCERT not to be republished

उत्तर:- सभी दृश्यों को उनके स्थान के आधार पर अलग किया जाना चाहिए। प्रथम दृश्य में अमित का घर और दूसरे में रजनी का घर है, तो दोनों स्थान अलग-अलग हैं। अतः उन्हें फ़िल्माने के लिए और भिन्न-भिन्न दिखाने के लिए दृश्य बदलना ही होगा। इसी तरह प्रधानाध्यापक का कमरा, निदेशक का कमरा; इन सभी स्थानों की सज्जा और दृश्यांकन बिलकुल अलग होगा। इसलिए ये सब दृश्यों को अलग करने का आधार कहे जा सकते हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

1. रजनी ने किसे इश्यू उठाने के लिए कहा था?

(क) हैडमास्टर को

(ख) डायरेक्टर को

(ग) पति को

(घ) संपादक को

उत्तर- (घ) संपादक को

2. पाठ किस विधा से सम्बन्धित है?

(क) कहानी

(ख) निबंध

(ग) एकांकी

(घ) पटकथा

उत्तर- (घ) पटकथा

3. निर्देशक ने नई शिक्षा प्रणाली में क्या आर्गनाईज किया?

(क) प्रदर्शनी

(ख) सेमिनार

(ग) नुक्कड़ नाटक

(घ) संगीत सम्मेलन

उत्तर- (ख) सेमिनार

4. रजनी को अपने घर में ही किसकी सुगंध आई थी?

(क) गुलाब की

(ख) केसर की

(ग) रजनीगंधा की

(घ) केवडें की

उत्तर- (ख) केसर की

5. चपरासी रजनी को अंदर क्यों नही जाने देता है?

(क) रूपए नही देने के कारण

(ख) पहले से समय न लेने के कारण

(ग) डायरेक्टर के आदेश के कारण

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (क) रूपए नही देने के कारण

© JCERT not to be republished

6. 'शिक्षा' से क्षेत्र में' फैली इस दुकानदारी को बंद होना ही चाहिए।' ये कथन किसने कहा ?

(क) हेडमास्टर ने

(ख) डायरेक्टर ने

(ग) सम्पादक ने

(घ) रजनी के पति ने

उत्तर– (ग) सम्पादक ने

7. बोर्ड प्राइवेट स्कूल को मान्यता देने के बाद कितनी ग्रांट देता है ?

(क) 70%

(ख) 90%

(ग) 80%

(घ) 95%

उत्तर– (ख) 90%

8. अमित किसका पुत्र है?

(क) शीला का

(ख) रजनी का

(ग) लता का

(घ) लीला का

उत्तर– (घ) लीला का

9. कौन अन्याय का डटकर मुकाबला करने की बात कहती है?

(क) शीला

(ख) रजनी

(ग) पाठक

(घ) लीला

उत्तर– (ख) रजनी

10. बोर्ड ने मीटिंग के प्रस्ताव को कैसे स्वीकार किया?

(क) ज्यों-का-त्यों

(ख) कुछ बदलाव करके

(ग) स्वीकार कर दिया

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– (क) ज्यों-का-त्यों

11. पाठ के अनुसार शिक्षा क्या बनती जा रही है ?

(क) आधुनिक

(ख) उच्च

(ग) व्यवसाय

(घ) बोझ

उत्तर– (ग) व्यवसाय

12. रजनी और लीला को किसके प्रथम आने की सम्भावना थी ?

(क) राकेश के

(ख) संजय के

(ग) विशाल के

(घ) अमित के

© JCERT not to be republished

उत्तर- (घ) अमित के

13. अमित स्कूल में कौन से स्थान पर आया था ?

(क) पहले स्थान पर

(ख) तीसरे स्थान पर

(ग) छठे स्थान पर

(घ) किसी स्थान पर नहीं

उत्तर- (ग) छठे स्थान पर

14. पाठक सर से कुल कितने लड़के ट्यूशन लेने आते थे?

(क) 18

(ख) 20

(ग) 22

(घ) 27

उत्तर- (ग) 22

15. लीला ने क्या मँगवा रखा था ?

(क) केसरिया रसमलाई

(ख) जलेबी

(ग) बर्फी

(घ) काजू कतली

उत्तर- (क) केसरिया रसमलाई

16. अमित के गणित में कम अंक क्यों आये थे ?

(क) कम पढ़ने के कारण

(ख) ट्युशन लेने के कारण

(ग) ट्यूशन न लेने के कारण

(घ) परीक्षा न देने के कारण

उत्तर- (ग) ट्यूशन न लेने के कारण

© JCERT not to be republished